(c) The Government offer the following incentives for the entrepreneurs to locate their industries in backward areas:—

(i) Concessional finance;

(ii) Treatment of development loans as equity;

(iii) Relief in Income Tax;

(iv) Free Technical Consultancy Services;

(v) Relaxation in establishment of banned industries;

(vi) Interest Subsidy for a longer period;

(vii) Supply of machinery on concessional terms;

(viii) Subsidy on Fixed Capital Investment;

(ix) Special facilities for importing raw material and components; and

(x) Transport Subsidy.

चुनाव-परिणाम घोषित करते समय श्री बंसीलाल द्वारा मजिस्ट्रेट को थप्पड़ मारा जाना

547. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान दिनांक 23 मार्च 1977 के पाकिस्तान के एक समाचार-पत्र 'डान' में प्रकाशित उस समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें कहा गया था कि हाल के चुनाव-परिणामों की घोषणा के समय भूतपूर्व रक्षा मंत्री श्री बंसीलाल को उस मजिस्ट्रेट के थप्पड़ मारने पर गिरफतार कर लिया गया था जो परिणामों की घोषणा कर रहा था ; और

(ख) यदि हां, तो उक्त घटना के तथ्य क्या हैं और इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह मंत्री (चौधरी चरण सिंह) : (क) इस संबंध में रिपोर्ट पाकिस्तान के समाचारपत्र 'डान' के अंक तारीख 22-3-77 में प्रकाशित हुई थी ।

(ख) राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार वहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी ।

वायुमंडल तथा समुद्रीय जल में रेडियो धर्मिता के संबंध में जांच

548. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या परमाणु ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश के वायुमंडल तथा समुद्रीय जल में फैली रेडियों धर्मिता की मात्रा के बारे में समय-समय पर जांच करती है ;

(ख) यदि हां, तो गत दो वर्षों के दौरान किन-किन क्षेत्रों में और कितनी बार ये जांच कराई गई और कितनी रेडियो धर्मिता प्रत्येक स्थान पर पाई गई ; और

(ग) किन-किन स्थानों पर यह मात्रा इतनी थी जो मनुष्यों के लिये हानिकारक हो सकती है और सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या उपचारात्मक उपाय किये हैं ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) जी, हां । वायुमंडल में फैली रेडियो-धर्मिता की मापने का काम हमारे देश में पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है । तथापि, समुद्र के पानी की रेडियो-धर्मिता की मापने का काम नेमी रूप से नहीं किया जाता है ।

(ख) वायु मंडल में फैली रेडियो-धर्मिता को मापने का काम गुलमर्ग, गंगटोक, नई दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई, नागपुर, बंगलौर हैदराबाद, ऊटकमंड, मद्रास तथा थुम्बा स्थित मानिटरिंग स्टेशनों की श्रंखला की सहायता से किया जाता है । नाभिकीय संयंत्रों आदि